

मानचित्र

कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान

Complete Study Notes

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय में विद्यार्थी मानचित्र की अवधारणा तथा उसके महत्व को समझेंगे। वे मानचित्रों के प्रकार, मानचित्र के मुख्य घटकों, पैमाने, दिशाओं, रूढ़ प्रतीकों, रेखाचित्र तथा खाका के बारे में सीखेंगे और मानचित्र पढ़ने की मूलभूत कौशल विकसित करेंगे।

परिचय

मानचित्र पृथ्वी की सतह या उसके किसी भाग का समतल सतह पर पैमाने के अनुसार बनाया गया चित्र होता है। मानचित्र हमें स्थानों, दिशाओं, दूरियों तथा प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विशेषताओं को सरलता से समझने में सहायता करते हैं। विभिन्न मानचित्रों के संग्रह को एटलस कहा जाता है।

मानचित्रों का उपयोग शिक्षा, यात्रा, योजना निर्माण, दिशा-निर्धारण तथा भौगोलिक अध्ययन में व्यापक रूप से किया जाता है।

मानचित्र के प्रकार

मानचित्र विभिन्न उद्देश्यों के लिए बनाए जाते हैं।

- भौतिक मानचित्र:** पर्वत, पठार, मैदान, नदियाँ और महासागरों जैसी प्राकृतिक विशेषताओं को दर्शाते हैं।
- राजनीतिक मानचित्र:** देशों, राज्यों, जिलों और नगरों की सीमाएँ प्रदर्शित करते हैं।
- विषयगत मानचित्र:** किसी विशेष विषय जैसे वर्षा, वन, उद्योग, सड़क, जनसंख्या या जलवायु से संबंधित जानकारी प्रस्तुत करते हैं।

प्रत्येक प्रकार का मानचित्र पृथ्वी के अलग-अलग पहलुओं का अध्ययन करने में सहायता करता है।

मानचित्र के मुख्य घटक

प्रत्येक मानचित्र के तीन मुख्य घटक होते हैं—दूरी, दिशा और प्रतीक।

पैमाना: वास्तविक दूरी को छोटे आकार में मानचित्र पर दर्शाने का माध्यम है। छोटे पैमाने वाले मानचित्र बड़े क्षेत्र को कम विवरण के साथ दिखाते हैं, जबकि बड़े पैमाने वाले मानचित्र छोटे क्षेत्र का अधिक विस्तृत चित्र प्रस्तुत करते हैं।

दिशा: दिशाओं की सहायता से किसी स्थान की सही स्थिति ज्ञात की जाती है। अधिकांश मानचित्रों में उत्तर दिशा अंकित रहती है, जिससे दक्षिण, पूर्व और पश्चिम दिशा आसानी से पहचानी जा सकती है। उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व तथा दक्षिण-पश्चिम जैसी मध्यवर्ती दिशाएँ भी महत्वपूर्ण होती हैं। दिशाओं का पता लगाने के लिए दिक्सूचक (कम्पास) का उपयोग किया जाता है।

रूढ़ प्रतीक: मानचित्रों में वास्तविक वस्तुओं के स्थान पर रूढ़ प्रतीकों का प्रयोग किया जाता है। नदियों, पर्वतों, सड़कों, वनों तथा अन्य विशेषताओं को मानक रंगों और चिन्हों द्वारा दर्शाया जाता है, जिससे कोई भी व्यक्ति उन्हें आसानी से समझ सकता है।

रेखाचित्र और खाका

रेखाचित्र: किसी स्थान का बिना पैमाने के बनाया गया साधारण चित्र होता है। इसका उपयोग सामान्य दिशा बताने या किसी स्थान का मोटा-मोटा स्वरूप दिखाने के लिए किया जाता है।

खाका: किसी छोटे क्षेत्र का बड़े पैमाने पर बनाया गया विस्तृत चित्र होता है। इसका उपयोग भवनों, कमरों, विद्यालयों या छोटे क्षेत्रों की सही रूपरेखा और माप दर्शाने के लिए किया जाता है।

मानचित्रों का महत्व

मानचित्र भूगोल के अध्ययन, यात्रा की योजना बनाने, प्राकृतिक एवं राजनीतिक विशेषताओं को समझने तथा किसी भी स्थान की सही स्थिति ज्ञात करने में अत्यंत उपयोगी हैं। वे विद्यार्थियों में अवलोकन, दिशा-निर्धारण तथा स्थानिक समझ विकसित करते हैं।

अभ्यास प्रश्न

- मानचित्र क्या है?
- मानचित्रों के तीन मुख्य प्रकार कौन-कौन से हैं?
- मानचित्र के तीन मुख्य घटक कौन से हैं?
- रेखाचित्र और खाका में क्या अंतर है?
- मानचित्रों में रूढ़ प्रतीकों का उपयोग क्यों किया जाता है?

उत्तर

- उत्तर 1:** मानचित्र पृथ्वी की सतह या उसके किसी भाग का पैमाने के अनुसार समतल सतह पर बनाया गया चित्र होता है।
- उत्तर 2:** मानचित्रों के तीन मुख्य प्रकार हैं—भौतिक मानचित्र, राजनीतिक मानचित्र और विषयगत मानचित्र।
- उत्तर 3:** मानचित्र के तीन मुख्य घटक हैं—दूरी (पैमाना), दिशा और रूढ़ प्रतीक।
- उत्तर 4:** रेखाचित्र बिना पैमाने का साधारण चित्र होता है, जबकि खाका किसी छोटे क्षेत्र का बड़े पैमाने पर बनाया गया विस्तृत चित्र होता है।
- उत्तर 5:** रूढ़ प्रतीकों का उपयोग मानचित्रों को सरल, मानकीकृत और सभी लोगों के लिए आसानी से समझने योग्य बनाने के लिए किया जाता है।